

[This question Paper contains 2 printed pages.]

Roll No. :
Unique Paper Code: 121301401
Title of the Paper: दर्शन: सांख्य एवं मीमांसा
Darśana: Sankhya & Mimansa
Type: CC
Name of the Course: MA Sanskrit Examination, May 2025
Semester: IV
Duration: 03 HRS
Maximum Marks: 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or **Hindi** or in **English**.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए -

7x4 = 28

Explain the following:

(क) दुःखत्रयाभिघाताज्जिज्ञासा तदपघातके हेतौ।
दृष्टे साऽपार्था चेन्नैकान्तात्यन्ततोऽभावात् ॥

अथवा/OR

पुरुषस्य दर्शनार्थं कैवल्यार्थं यथा प्रधानस्य।
पङ्गवन्धवदुभयोरपि संयोगस्तत्कृतः सर्गः॥

(ख) अतिदूरात् सामीप्यादिन्द्रियघातात्मनोऽनवस्थात्।
सौक्ष्म्याद् व्यवधानादभिभवात् समानाभिहारश्च

अथवा/OR

प्राप्ते शरीरभेदे चरितार्थत्वात् प्रधानविनिवृत्तौ।
ऐकान्तिकमात्यन्तिकमुभयं कैवल्यमाप्नोति॥

(ग) अपौरुषेयं वाक्यं वेदः।

अथवा/ OR

कर्मस्वरूपमात्रबोधको विधिरूपत्तिविधिः।

(घ) अङ्गप्रधानसम्बन्धबोधको विधिर्विनियोगविधिः।

अथवा/ OR

पुरुषस्य निवर्तकं वाक्यं निषेधः।

2. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो - 5+5+5+7=22

Write short notes on the following, out of which one should be in Sanskrit.

(क) सृष्टि प्रक्रिया अथवा/OR जीवन्मुक्ति एवं विदेहमुक्ति

(ख) प्रकृति अथवा/OR अनुमान प्रमाण

(ग) शाब्दीभावना अथवा/OR विशिष्टविधि

(घ) गुणविधि अथवा/OR प्रयोगविधि

3. सांख्यकारिका के अनुसार सत्कार्यवाद का वर्णन कीजिए। 10

Describe the सत्कार्यवाद according to Sāṃkhyakārikā.

अथवा/OR

सांख्यकारिका के अनुसार पुरुष का विवेचन कीजिए।

Discuss the पुरुष according to Sāṃkhyakārikā.

4. अर्थसंग्रह के अनुसार अथातो धर्मजिज्ञासा को स्पष्ट कीजिए। 10

Explain the अथातो धर्मजिज्ञासा according to the text of Arthasaṃgraha.

अथवा/OR

अर्थसंग्रह के अनुसार अर्थवाद के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of अर्थवाद on the text of Arthasaṃgraha.